भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं0 **287**
दिनांक **24** जून, 2019

पीएमयूवाई के अंतर्गत लाभार्थी

287. श्री दीपक बैजः
श्री एम॰के॰ राघवनः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के अंतर्गत योजना की शुरुआत से लेकर अब तक राज्य-वार कतने लोगों को लाभ प्राप्त हुआ है और उक्त गैस सलेंडर, रेग्यूलेटर और पाइप सहित मद-वार लागत कतनी है;

(ख) पीएमयूवाई के अंतर्गत उक्त कतने लाभार्थी हैं जिन्होंने गत चार वर्षों के दौरान अपना चैथा-पांचवां सलेंडर भरवाया है;

(ग) क्या लाभा र्थयों द्वारा निय मत रूप से अपने गैस सलेंडर नहीं भरवाने के पीछे के कारण जानने के लए कोई सर्वेक्षण कराया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और लाभार्थी गत चार वर्षों के दौरान कतनी बार अपने रसोई गैस सलेंडर भरवाने के लए आए हैं;

(घ) क्या रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर कम्पैशनेट इकोनॉ मक्स द्वारा कराया गया अध्ययन अथवा सर्वेक्षण दर्शाता है क उज्ज्वला योजना के कुल **90** प्रतिशत लाभार्थी खाना पकाने के लए अभी भी पारंपरिक जलावन और उपलों का उपयोग करते हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या यह भी तथ्य है क लोग प्रत्येक खरीद के लए निश्चित लागत और राजसहायता प्राप्ति में वलंब से जूझ रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त समस्या के समाधान के लए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत निर्धन परिवार की वयस्क महिला को एलपीजी कनेक्शन 1600 रुपए तक प्रति कनेक्शन की नकद सहायता के साथ निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन दिया जाता है जिसमें स लंडर की जमानत रा श, प्रेशर रेगुलेटर की जमानत रा श, सुरक्षा होज, संस्थापन/प्रदर्शन प्रभार और डीजीसीसी पुस्तिका जारी करने की लागत शा मल हैं। लाभा र्थयों को री फल और चूल्हा खरीदने के लए भुगतान करना होता है। 19.06.2019 की स्थिति के अनुसार तेल वपणन कंपनियों (ओएमसीज) ने पीएमयूवाई के

तहत 7.23 करोड़ से अ धक नए एलपीजी कनेक्शन जारी कए हैं। राज्य/केन्द्र शा सत प्रदेश-वार ब्यौरे अनुलग्नक में दिए गए हैं।

(ख) ओएमसीज ने बताया है क मई, 2019 तक 1.67 करोड़ और 1.45 करोड़ पीएमयूवाई लाभा थयों ने क्रमश: 4 और 5 बार भरे हुए एलपीजी स लंडर खरीदे हैं।

(ग) और (घ) ओएमसीज ने बताया है क पीएमयूवाई लाभा थयों सहित कुछ एजें सयों/संस्थानों/संगठनों द्वारा सर्वेक्षण/अध्ययन कए गए हैं। ओएमसीज ने यह भी बताया है क लगभग 86% पीएमयूवाई लाभा थयों ने जो कम से कम 1 वर्ष पुराने हैं दूसरे री फल के लए वा पस आए हैं। पीएमयूवाई लाभार्थी द्वारा सतत आधार पर एलपीजी अपनाना और इस्तेमाल करना उसके व्यावहारिक परिवर्तन पर निर्भर करता है। पीएमयूवाई लाभार्थी परिवार द्वारा एलपीजी का इस्तेमाल कई कारणों पर निर्भर करता है जिनमें उसकी खान-पान की आदतें, खाना पकाने की आदतें, एलपीजी का मूल्य, जलाने की लकड़ी, उपले आदि की आसानी से उपलब्धता आदि शा मल हैं।

(ड.) पीएमयूवाई लाभार्थी पहल योजना के तहत राजसहायता प्राप्त करते हैं। लागू राजसहायता लाभा थयों के बैंक खाते में सीधे अंतरित की जाती हैं। राजसहायता के सीधे अंतरण से वास्त वक लाभार्थी को सहायता मलती है और वपथन रुकता है।

*****

अनुलग्नक

श्री दीपक बैज और अन्य द्वारा "पीएमयूवाई के तहत लाभार्थी" के संबंध में दिनांक **24.06.2019** को लोकसभा अतारां कत प्रश्न संख्या **287** में भाग (क) में उल्लि खत अनुलग्नक।

पीएमयूवाई के तहत **19.06.2019** की स्थिति के अनुसार जारी कए गए राज्य/यूटी-वार एलपीजी कनेक्शन

क्रम सं.	राज्य / केन्द्र शा सत	जारी कए गए कनेक्शन
1	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	7856
2	आंध्र प्रदेश	346,454
3	अरुणाचल प्रदेश	39,437
4	असम	2,866,597
5	बिहार	7,929,510
6	चंडीगढ़	88
7	छत्तीसगढ़	2,691,007
8	दादरा और नगर हवेली	14,157
9	दमन और दीव	423
10	दिल्ली	73,808
1 1	गोवा	1,074
12	गुजरात	2,546,866
13	हरियाणा	684,155
14	हिमाचल प्रदेश	113,925
15	जम्मू और कश्मीर	1,080,810
16	झारखंड	2,901,475
17	कर्नाटक	2,834,163
18	केरल	212,381
19	लक्षद्वीप	287
20	मध्य प्रदेश	6,470,761
21	महाराष्ट्र	4,086,878
22	म णपुर	130,036
23	मेघालय	141,486
24	मजोरम	25,962
25	नगालैंड	49,732
26	ओ डशा	4,252,175
27	पुडुचेरी	13,400
28	पंजाब	1,210,146
29	राजस्थान	5,759,887
30	सक्किम	7812
31	त मलनाडु	3,153,589
32	तेलंगाना	936,974
33	त्रिपुरा	239,867
34	उत्तर प्रदेश	13,081,084
35	उत्तराखंड	354,787
36	पश्चिम बंगाल	8,066,899
	योग	72,325,948